(ख) मौजूदा रेल पुल पर कोई पैदल पथ या सड़क नहीं है। तथापि, जनता के उपयोग के लिये पास ही में एक ऊपरी सड़क पुल उपलब्ध है ।

(ग) नये रेल पुलों पर सड़क की व्यवस्था करने का कोई प्रस्ताव नहीं है क्योंकि पास ही में क्रासिंग की सुविधा पहले से ही मौजूद है ।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा इस्पात लोहा तथा कच्चे लोहे का आवंटन

457. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा जिन उद्योगों को इस्पात, लोहा और कच्चा लोहा बेचा जाता है उनका ब्यौरा क्या है तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकारी तथा निजी क्षेत्रों की कम्पनियों को इनकी कितनी-कितनी मात्रा बेची गई ;

(ख) क्या यह सच है कि इस्पात तथा लोहे का कोटा ऐसी कम्पनियों को आबंटित कर दिया जाता है जिनका वास्तविक उत्पादन स्वीकृत क्षमता से बहुत कम है या फर्जी कम्पनियां हैं और वह उपर्युक्त मदों की कालाबाजारी के भी कुछ मामले हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि वास्तविक उपभोक्ताओं को फर्जी आधार पर इस्पात की आपूर्ति रोक दी जाती है ;

(घ) क्या सरकार वास्तविक उपभोक्ताओं और फर्जी उपभोक्ताओं का पता लगाने के लिये किसी गुप्तचर एजेंसी अथवा परामर्शदाता समिति के सदस्यों द्वारा जांच करवाने का विचार रखती है ; और

(ङ) क्या सरकार आयुक्त तथा क्षेत्रीय आयुक्त पर निगरानी रखने के लिये एक सतर्कता सेल स्थापित करने का विचार रखती है ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (संसदीय प्रभार) (श्री संतोष मोहन देव) : (क) "सेल" लोहे व इस्पात की सामग्री संयुक्त संयंत्र समिति के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार विभिन्न ग्राहकों को वितरित करता है । इनमें लोहे और इस्पात के परिष्कर्त्ताओं/उपभोक्ताओं की सभी पात्र श्रेणियां शामिल हैं। सेल निजी और सरकारी क्षेत्र के उद्योगों की सप्लाई के ब्यौरे अलग से नहीं रख रहा है ।

पिछले 3 वर्षों के दौरान घरेलू ग्राहकों को सेल (इस्को को छोड़कर)से की गई कच्चे लोहे और इस्पात की सप्लाई इस प्रकार है:–

(000 टन)

सामग्री	1988-89	1989-90	1990-91 (अनंतिम)
(i) कच्चा लोहा	723	874	477
(ii) इस्पात	6078	5784	6081

(ख) मौजूदा वितरण मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार सेल चालू यूनिटों की पिछली खरीद और नई/रूग्ण यूनिटों के संबंध में जुड़ी क्षमता के आधार पर तैयार की गई पात्रताओं के सूचकांक के अनुसार औद्योगिक उपभोक्ताओं को लोहा और इस्पात की सप्लाई करता है । वास्तविक सप्लाई उपलब्ध माल के अनुपात में की जाती है ।

लोहे और इस्पात के दुरुपयोग के मामलों की सूचना मिलने पर उसकी जांच की जाती है और विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात के कार्यालय द्वारा उपयुक्त उपचारात्मक कार्रवाई की जाती है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) जी, नहीं ।

माल भाड़े के समकरण के कारण रेलवे को हुआ घाटा

458. श्री राम अवधेश सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) माल भाड़ा समकरण के कारण रेलवे को प्रति वर्ष कितना घाटा उठाना पड़ता है ;

(ख) बिहार से बाहर भेजी जाने वाली खनिज संपदा तथा कच्चे माल, जैसे इस्पात, लोहा, कच्चा लोहा, तांबा, जस्ता इत्यादि से मालभाड़े के रूप में कितनी आय होती है ; और

(ग) क्या सरकार रेलवे को होने वाले इस घाटे को माल भाड़ा समकरण प्रणाली समाप्त करके पूरा करने का विचार रखती है और इसके लिये यात्री किराये में वृद्धि करने का सहारा नहीं लेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) रेलें किसी वस्तु के लिये मालभाड़ा समकरण योजना लागू नहीं करती हैं । अतः इसकी वजह से रेलों को कोई हानि नहीं हुई है ।

(ख) मालभाड़े से प्राप्त आमदनी के आंकड़े राज्यवार नहीं रखे जाते हैं ।

(ग) उपर्युक्त (क) के उत्तर को देखते हुये माल भाड़ा समकरण योजना के कारण किसी प्रकार की हानि को पूरा करने का प्रश्न नहीं उठता ।

Modernisation of Bokaro Steel Plant

459. SHRI S. MADHAVAN: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the Steel Authority of India is contemplating the modernisation of the convenor shops and hot strip mills of the Bokaro Steel Plant if so, what are the details thereof:

(b) whether any contract has been entered into with a Soviet company for this modrenisation project and if so, what are the details thereof; and

(c) whether any financial assistance for this project is likely to be given by th© Soviet Government and if so, what are the details thereof?

. THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEB) : (a) to (c) A proposal of SAIL, based on a Detailed Project Report prepared by M/s Tiazpromexport of USSR, for modernisation of Bokaro Steel Plant's Steel Melting Shop and Hot Strip Mill is currently under examination by the Government. The details of the project, contract and financial assistance would be finalised after the investment decision.

.

Utilisation of Rain Water

460. SHRl S. MADHAVAN: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that only 220 million acre cubic feet rain water alone is used for irrigation out of the total rainfall of 1400 million acre cubic feet in our country:

(b) what are the plans formulated to use the unutilised rain water now drained as floods for irrigation; and

(c) whether Government propose any long term plan to link the [nter-State